प्रश्न- भूमि सुधार न केवल कृषि दक्षता में वृद्धि करते हैं, बल्कि सामाजिक औचित्य (Social Equity) भी सुनिश्चित करते हैं। चर्चा करें। **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में भूमि सुधार से कृषि के क्षेत्र में क्या-क्या विकास हुआ। चर्चा करें।
- भूमि सुधार से सामाजिक क्षेत्र में क्या विकास हुआ। चर्चा करें।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

भूमि सुधार (Land Reform) के अंतर्गत भूमि से संबंधित कानूनों तथा प्रथाओं में परिवर्तन आते हैं। यह सरकार द्वारा चलाई जाती है, जिसमें कृषि भूमि के पुनर्वितरण पर बल दिया जाता है।

- भूमि सुधार के अंतर्गत कृषि के विकास की बात की जाये तो पंजाब, हरियाणा आदि राज्यों ने तकनीकी उत्पादकता को लेकर पठारी स्तर को प्राप्त कर चुकी है।
- भूमि सुधार के अंतर्गत निर्धन लोगों को कृषि योग्य भूमि का वितरण किया जा सकता है।
- सिंचाई पद्धति में सुधार किया जा सकता है। इंटर लिंकिग नदी (Inter Linking River) के कारण उत्पादन में भी वृद्धि हो सकती है।

भूमि सुधार सामाजिक औचित्य भी सुनिश्चित करता है-

- काश्तकारों को भूमि का स्वामी बनाया जाना।
- NABARD, RRB से किसानों को ऋण लेने की सुविधा आसान बनाना।
- संस्थागत कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। काश्तकारों का शोषण जैसे मुद्दे को रोका जा सकता है।
- परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत किसानों को जैविक कृषि करने के लिए बढ़ावा मिल सकता है।
- कई क्षेत्रों में बटाई देने के कार्य मौखिक तौर पर किया जाता है, लेकिन अब भूमि सुधार कानून के तहत ठेका पद्धति के माध्यम से अनुबंध की निश्चित अवधि किरायेदार के लिए भूमि की स्वामित्व की भावना प्रदान करता है।
- भूमि सुधार से गरीबी की समस्या का समाधान किया जा सकता है तथा रोजगार भी उपलब्ध हो सकता है।